प्राकृतिक वनस्पति

1. प्राकृतिक वनस्पति

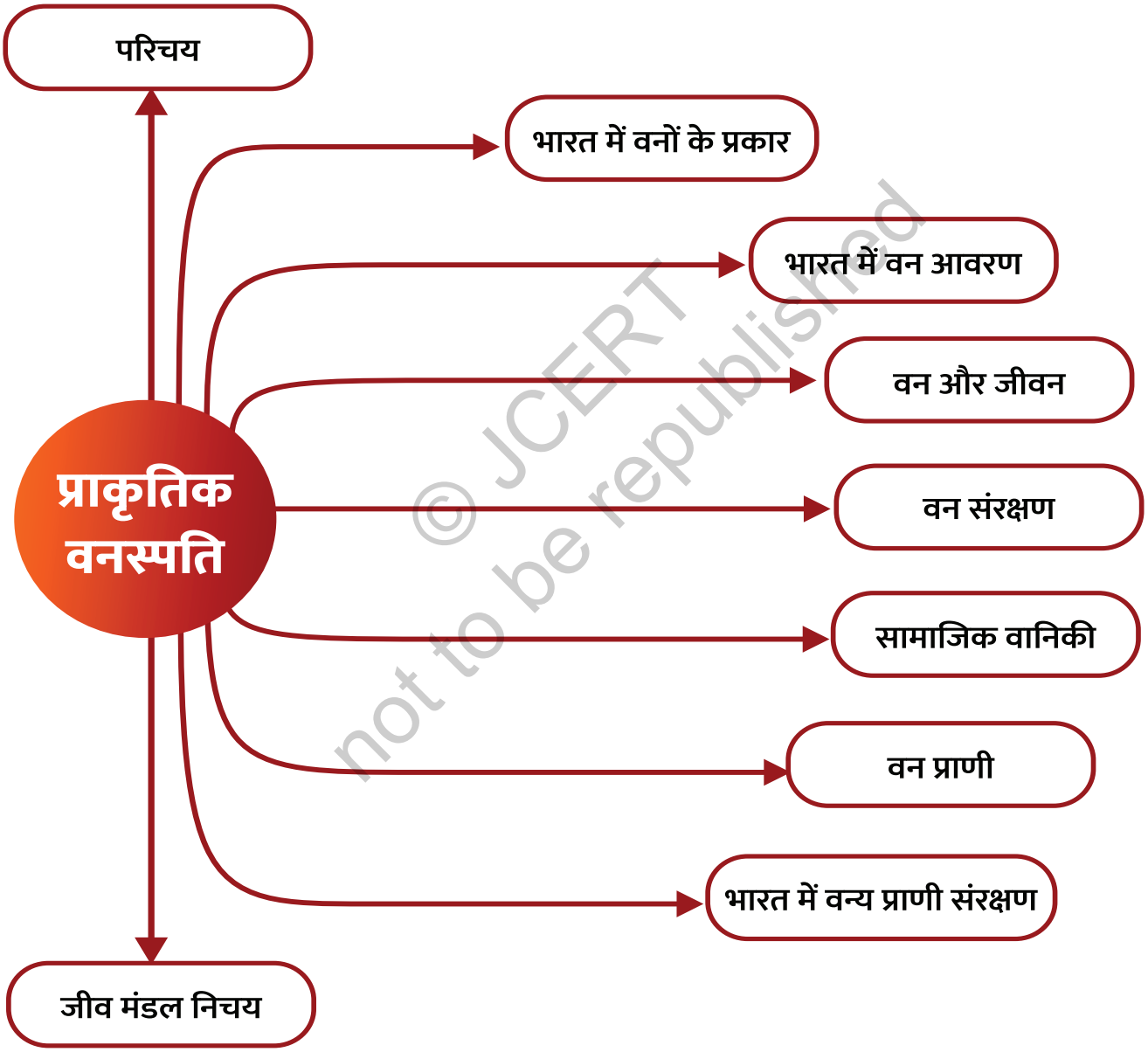

© JCERT not to be republished

2. परिचय –

परिचय

प्रकृति में स्वत: उगने वाले पेड़ - पौधों, झाड़ियों तथा घास को प्राकृतिक वनस्पति कहते हैं, अतः पौधों का ऐसा समूह जिन पर दीर्घकाल से बिना किसी बाहरी हस्तक्षेप से जंगली अवस्था में उगे हुए हैं।

मिट्टी और जलवायु में विविधता के कारण भारत में विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक वनस्पतियां पायी जाती है| जैसे - हिमालय पर्वतीय क्षेत्र मे शीतोष्ण कटिबंधीय वनस्पति ,पश्चिमी घाट तथा अंडमान निकोबार द्वीप समूह में उष्ण कटिबंधीय वन , डेल्टा क्षेत्रों में मैग्रोव एवं उष्ण कटिबंधीय वन और राजस्थान में मरुस्थलीय, अर्ध मरुस्थलीय विभिन्न प्रकार की झाड़ियो , कैक्टस, कांटेदार वनस्पतियां पाई जाती है।

3. भारत में वनों के प्रकार

प्रमुख वनस्पति प्रकार तथा जलवायु दशाओं को आधार मानते हुए वनों को 5 भागों में बांटा जा सकता है –

1. उष्ण कटिबंधीय सदाबहार एवं अर्ध सदाबहार वन
2. उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन
3. उष्णकटिबंधीय कांटेदार वन
4. पर्वतीय वन
5. वेलांचली व अनुप वन

© JCERT not to be republished

1. उष्ण कटिबंधीय सदाबहार एवं अर्ध सदाबहार वन

भारत में इस प्रकार के वनों का कुल क्षेत्रफल लगभग 45 लाख हेक्टेयर है ।जिन क्षेत्रों में वार्षिक वर्षा 200 सेंटीमीटर से अधिक और वार्षिक तापमान 22 डिग्री सेल्सियस होती है। जैसे पश्चिमी घाट की पश्चिमी ढाल पर, उत्तर पूर्वी पहाड़ियां और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह ।

उष्णकटिबंधीय वन सधन तथा सामान्यत तीन परतो में मिलते हैं।

A. सबसे ऊपर लंबे कद वाले वृक्ष होते हैं जिनकी ऊंचाई 60 मीटर से अधिक हो सकती है।

B. इनके नीचे छोटे कद वाले वृक्ष होते हैं।

C. धरातल के समीप (सबसे नीचे)झाडियां तथा बेले होती है।

सदाबहार वनों में पत्ते झड़ने, फूल आने तथा फल लगने के समय अलग-अलग हैं इसलिए ये वन वर्ष भर हरे-भरे दिखाई देते हैं।

(उत्तरी सह्याद्रि प्रदेश में इन वनों को शोलास वन कहा जाता है।) प्रमुख वृक्ष के रूप में यहाँ महोगनी, रोजवुड आबनूस, जारूल, सिनकोना, रबर, ऐन तथा एबनी आदि मिलते हैं।

अर्ध सदाबहार वन

यह वन सदाबहार वन की अपेक्षा कम वर्षा वाले क्षेत्र में आते हैं । अतः ये वन सदाबहार और आर्द्र वनों का मिश्रित रूप है ।यह मुख्यत: पश्चिमी घाट के पश्चिमी ढालो, उतरी- पूर्वी पहाड़ियों तथा अंडमान निकोबार द्वीप समूह में ही अपेक्षाकृत में ही कम वर्षा वाले क्षेत्र में पाये जाते हैं। प्रमुख वृक्ष साइडर, होलक और कैल है।

2. उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन

भारत में लगभग 223 लाख हेक्टअर में पाए जाने वाले इन वनों को मानसून वन भी कहा जाता है। वार्षिक वर्षा 70 से 200 सेंटीमीटर होती है। अतः वर्षा की मात्रा में कमी के कारण ये वन गर्मी के प्रारम्भ में ही अपनी पत्तियां गिरा देते हैं इसलिए इन्हे पतझड़ वन भी कहा जाता है ।

जल की उपलब्धता के आधार पर इन वनों को दो भागों में विभक्त किया जाता है ।

(i) आर्द्र पर्णपाती वन

वर्षा 100 से 200 सेंटीमीटर वाले क्षेत्रों में पायी जाती है जैसे उत्तरी पूर्वी राज्यों, हिमालय के गिरिपाद पश्चिमी घाट के पूर्वी ढाल तथा ओडिशा में। प्रमुख वृक्ष सागवान, साल, शीशम, हुर्रा, महुआ, आंवला, सेमल, कुसुम आदि है।

© JCERT not to be republished

(ii) शुष्क पर्णपाती वन

जिन क्षेत्रों में वर्षा 70 से 100 सेंटीमीटर होती है। ये वन प्रायद्वीप में अधिक वर्षा वाले भागों तथा उत्तर प्रदेश एवं बिहार के मैदानी भागों में मिलते हैं। प्रमुख वृक्ष के रूप में तेंदू, पलास अमलतास, बेल, खैर आदि है।

3.3 उष्णकटिबंधीय कांटेदार वन

जहां पर वार्षिक वर्षा 20 से 50 सेंटीमीटर के मध्य होती है । इसके अंतर्गत दक्षिणी-पश्चिमी पंजाब हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के शुष्क क्षेत्र आदि राज्य आते हैं। इन भागों के वन छोटे-छोटे वृक्षो या कंटीली झाड़ियों के रूप में होते हैं। जैसे -बबूल, बेल,खजूर, खैर, नीम, खेजड़ी आदि आते हैं।

4. पर्वतीय वन

ऊंचाई बढ़ाने पर जलवायुविक दशाओं विशेषकर तापमान एवं वर्षा में परिवर्तन आता है इसलिए पर्वतीय भागों में वनस्पतियों के स्वरूप में क्रमिक परिवर्तन ऊंचाई के साथ दिखाई पड़ते हैं जैसे 1500 मीटर की ऊंचाई पर पर्णपाती वन। 1500 से 3500 मीटर की ऊंचाई पर कोणधारी वन।

पर्वतीय वनों को मुख्यतया दो भागों में बांटा जाता है-

1. उत्तरी पर्वतीय वन
2. दक्षिणी पर्वतीय वन

1. उत्तरी पर्वतीय वन

ये वन प्रायः हिमालय पर्वत श्रृंखला में मिलते हैं, इन क्षेत्र में टुण्ड्रा वनस्पति वनों से लेकर उष्णकटिबंधीय तक पाए जाते हैं।

- A. 3000 से 4000 मीटर

इस ऊंचाई पर एल्पाइन वन तथा चारागाह मिलते हैं। प्रमुख वृक्ष सिल्वर फर, जूनियर, पाइन, बर्च, आदि हैं। गुज्जर, बकरवाल, गद्दी और भुटिया जैसे ऋतु प्रवास करने वाले चरवाहे इन क्षेत्रों का पशु चारण के लिए भरपूर प्रयोग करते हैं।

- B. 2225 से 3048 मीटर की ऊंचाई पर शीतोष्ण घास के मैदान मिलते हैं। प्रमुख वृक्ष के रूप में ब्लू फाइन आते हैं ।
- C. 1000 से 2000 मीटर

प्रमुख वृक्ष देवदा-र, चिनार, बालन, चेस्टनट तथा चीड़ आदि हैं । उत्तरी पूर्वी भारत की पर्वत श्रृंखला, पश्चिमी बंगाल तथा उत्तराखंड के पर्वतीय भाग आते हैं।

2. दक्षिण पर्वतीय वन

जिन क्षेत्रों की ऊंचाई समुद्र तल से 1500 मीटर तक होती है । उन क्षेत्रों के ऊंचाई वाले भागों में शीतोष्ण कटिबंधीय तथा निचले पर्वतीय स्थलों पर उपोष्ण कटिबंधीय वन मिलते हैं । प्रायद्वीप भारत के पश्चिमी घाट, विंध्याचल और नीलगिरी पर्वत श्रृंखलाओ के अंतर्गत केरल, तमिलनाडु तथा कर्नाटक प्रमुख है, शीतोष्ण वनों को नीलगिरी, अन्नामलाई तथा पालनी पहाड़ियों पर सोलास कहा जाता है ।

© JCERT not to be republished

प्रमुख वृक्ष लैरेल, मैग्नोलिया, सिनकोना तथा वैटल आदि है।

3. वेलान्चली या अनुप वन

भारत के 6740 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में स्थित मुख्य रूप से अंडमान निकोबार द्वीप समूह तथा पश्चिम बंगाल के सुंदरवन डेल्टा में पाए जाते हैं यहां विश्व के मैग्रोव क्षेत्र का 7 % है । डेल्टाई वन भी कहा जाता है। जो मुख्य रुप से समुद्र तट पर स्थित लवणीय दलदलों, ज्वारीय निविशिकाओ, संकरी,खाडियो पंख मैदानों तथा ज्वारनमुखो में विकसित होते हैं। मैंग्रोव, सुन्दरी, कैजुरीना, केवला बेंदी आदि वृक्ष है।

4. भारत में वन आवरण

राजस्व विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार भारत में 23.28 प्रतिशत भारत पर भाग पर वन है।

4.1 वन क्षेत्र

राजस्व विभाग के अनुसार ऐसा अधिसूचित क्षेत्र वन क्षेत्र कहलाता है जहां वृक्ष हो या ना हो। यह राज्यों के राजस्व विभाग से प्राप्त होता है।

4.2 वास्तविक वनावरण

वह क्षेत्र कहलाता है जो वास्तविक रूप से वनों से ढका है तथा प्राकृतिक वनस्पतियों का झुरमुट है । इसका निर्धारण वायु चित्रों तथा उपग्रहों से प्राप्त चित्रों से होता है।

5. वन क्षेत्र के प्रतिशत में राज्य स्तरीय भिन्नता

भारत में राज्य स्तर पर राज्यों के कुल क्षेत्रफल में वन क्षेत्रों के प्रतिशत में विभिन्नताएं पायी जाती है । अतः वास्तविक वनावरण के प्रतिशत के आधार पर भारत के राज्यों को चार भागों में बांटा गया है।

- A. 30 प्रतिशत से अधिक वन वाले राज्य असम मणिपुर, मेघालय, मिजोरम नागालैंड, त्रिपुरा तथा अरुणाचल प्रदेश के अतिरिक्त लक्ष्यदीप तथा अंडमान निकोबार दीप समूह आते हैं।
- B. 20 से 30प्रतिशत वन क्षेत्र वाले राज्यों दादर नागर हवेली तमिलनाडु, तथा गोवा को छोड़कर सभी प्रायद्वीपीय भारत के राज्य सम्मिलित हैं।
- C. 10 से 20प्रतिशत भाग पर तमिलनाडु तथा पश्चिम बंगाल आते हैं।
- D भारत में 10 प्रतिशत से कम वाले राज्य पंजाब तथा हरियाणा गुजरात आदि आते हैं।

प्रदेश	वन आवरण का प्रतिशत
(i) अधिक वन संकेन्द्रण वाले प्रदेश	>40
(ii) मध्यम वन संकेन्द्रण वाले प्रदेश	20-40
(iii) कम वन संकेन्द्रण वाले प्रदेश	10-20
(iv) अति कम वन संकेन्द्रण वाले प्रदेश	<10

© JCERT not to be republished

6. वन और जीवन

6.1. साधारणतया यह माना जाता है कि भारत में 593 जिलों में से 188 जनजातियां जिले हैं ।भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 33.63% हिस्सा जनजातीय जिले हैं परंतु देश का 59.61 प्रतिशत वन आवरण इन्हीं जिलों में मिलते हैं।

6.1 अतः वनों और जनजाति समुदायों में घनिष्ठ संबंध है ।जनजातीय लोगों का जीवन यापन जैसे आवास रोजी -रोटी और अस्तित्व वन से जुड़ा हुआ है यह अपने भोजन, फल खाने लायक वनस्पति, शहद पौष्टिक जड़े और शिकार के लिए वह जानवर प्राप्त करते हैं।

7. वन संरक्षण

वन पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने, जलवायु को संतुलन बनाए रखने में, मृदा संरक्षण, मरुस्थलीय भूमि के विस्तार को रोकने आदि में महत्वपूर्ण योगदान रखते हैं। अतः संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र तथा स्वास्थ्य पर्यावरण बनाए रखने के लिए कम से कम 33 प्रतिशत भाग पर वन होना आवश्यक है जो अभी हमारे देश में 23% ही है । इसी कारण वनों के संरक्षण के लिए एक ठोस कानून व्यवस्था की जरूरत है। भारत सरकार ने वन संरक्षण नीति सन् 1952 में लागू किया, जिससे सन् 1988 में संशोधित किया गया ।

7 .1 इस वन नीति का निम्नलिखित उद्देश्य है–

A. वर्तमान में वन क्षेत्र 23% है उससे बढ़ा कर 33 प्रतिशत करना ।

B. पारिस्थितिकी असंतुलित क्षेत्रों में वनों को लगाना

C. देश की प्राकृतिक धरोहर जैव विविधता तथा अनुवांशिक फूल का संरक्षण।

D. मृदा अपरदन, मरुस्थलीकरण, बाढ़ तथा सूखा का नियंत्रण करना।

E. सामाजिक वानिकी एवं वनारोपण द्वारा वन आवरण का विस्तार।

F. वनों की उत्पादकता बढ़ाना।

G. वृक्षों की कटाई रोकने के लिए जन आंदोलन चलाना।

8. सामाजिक वानिकी

सामाजिक वानिकी का अर्थ है पर्यावरणीय, सामाजिक व ग्रामीण विकास में मदद के उद्देश्य से वनों का प्रबंध तथा सुरक्षा एवं ऊसर भूमि पर वनारोपण है। तथा साथ ही ग्रामीण जनसंख्या के लिए जलावन लकड़ी की व्यवस्था करना।

भारत के राष्ट्रीय कृषि आयोग(1976–79) ने सामाजिक वानिकी को तीन वर्गों में विभक्त किया है

© JCERT not to be republished

A. शहरी वाणिकी

शहर और उसके आस-पास की निजी व सार्वजनिक भूमि जैसे:- हरित पट्टी, पार्क, सड़कों के साथ खाली पड़ी भूमि, औद्योगिक व व्यापारिक स्थलों पर वृक्ष लगाना तथा उनका प्रबंध करना शहरी वानिकी के अंतर्गत आता है।

B. ग्रामीण वानिकी

ग्रामीण वानिकी में कृषि वानिकी तथा समुदाय वानिकी को साथ सम्मिलित किया जाता है। कृषि वानिकी में इंधन, इमारत लकड़ी तथा फलों का उत्पादन, चारा आदि की कृषि की जाती है।

समुदाय वानिकी:- इस वानिकी के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक भूमि जैसे विद्यालय की खाली पड़ी भूमि, नहर, सड़क के दोनों और चरागाह आदि में वृक्षारोपण कार्य किया जाता है।

C. फार्म वानिकी

इस वानिकी के तहत किसान खेतों में व्यापारिक महत्त्व वाले वृक्षों का रोपण वैसे अतिरिक्त भूमि पर करते हैं जैसे -खेतों की मेडे, चरागाह, घास स्थल आदि जगहोंपर।

9. वन प्राणी

A. भारत में वृहद स्तर पर जैव विविधता विद्यमान है।

B. यहां पौधों एवं जंतुओं की विभिन्न प्रकार है लगभग 89 हजार प्रजातियां हैं जो विश्व का 4 से 5% है।

C. वन्य प्राणी हमारे जैवमंडल के अभिन्न अंग हैं क्योंकि यह सदियों से हमारे सांस्कृतिक एवं आर्थिक क्षेत्र में भूमिका प्रदान करते हैं।

D. जैसे- मानव के लिए भोजन, वस्त्र के लिए रेशे, खाले, आवास के लिए सामग्री तथा अन्य उत्पाद प्राप्त होते हैं लेकिन आज वन्य प्राणियों की संख्या में दिन व दिन कमी होती जा रही है। इसके मुख्य कारण निम्न है-

1. स्थानीय लोगों के चारे, ईंधन और इमारती लकड़ी के लिए वनों की सफाई।
2. खेती, मानव वस्ती, सड़कों, खदानों, जलाशय आदि के लिए पेड़ों की कटाई।
3. जंगलों में आग लगने से।
4. औद्योगिक और तकनीकी विकास के कारण वनों का दोहन।
5. व्यापार के लिए जंगली जानवरों का दोहन।

10. भारत में वन्य प्राणी संरक्षण

भारत में वन्य प्राणी अधिनियम 1972 ई में पास हुआ तथा 1991 में पूर्णतया संशोधित कर दिया गया है ।इस अधिनियम के दो मुख्य उद्देश्य है -

A. इस अधिनियम के अनुसार कुछ सूचीबद्ध संकटापन्न प्रजातियों को सुरक्षा प्रदान करना।

© JCERT not to be republished

B. सरकार द्वारा निर्धारित नेशनल पार्कों, पशु विहारो जैसे संरक्षित क्षेत्रों को कानूनी सहायता प्रदान करना।

1. देश में 103 नेशनल पार्क और 544 वन्य प्राणी अभयवन है।
2. यूनेस्को के मानव और जीवमंडल योजना के तहत् भारत सरकार ने वनस्पति और प्राणी जात के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।
3. उदाहरण के तौर पर 1973 से प्रोजेक्ट टाइगर जो भारत के बाघों की संख्या का स्तर बनाए रखने पर जोर देता है जिससे वैज्ञानिक, सौंदर्यत्मक सांस्कृतिक तथा पारिस्थितिकी मूल्यों को बनाए रखा जा सके।
4. शुरुआत में प्रोजेक्ट टाइगर 16399 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल पर 9 बाघ आरक्षित क्षेत्रों में लागू किया गया जो अभी 27 आरक्षित क्षेत्र हो गए हैं।

11. जीव मंडल निचय

1. जीव मंडल निचय आरक्षित क्षेत्र ऐसा संरक्षित क्षेत्र जिसमें हर प्रकार के पौधे एवं जंतुओं को उनके प्राकृतिक पर्यावास से संरक्षित किया जाता है।
2. एक विशेष प्रकार का भौमिक और तटीय पारिस्थितिक तंत्र है जिन्हें यूनेस्को ने मानव और जीवमंडल कार्यक्रम के अंतर्गत मान्यता प्रदान की है।

12. जीवमंडल निचय के तीन मुख्य उद्देश्य हैं।

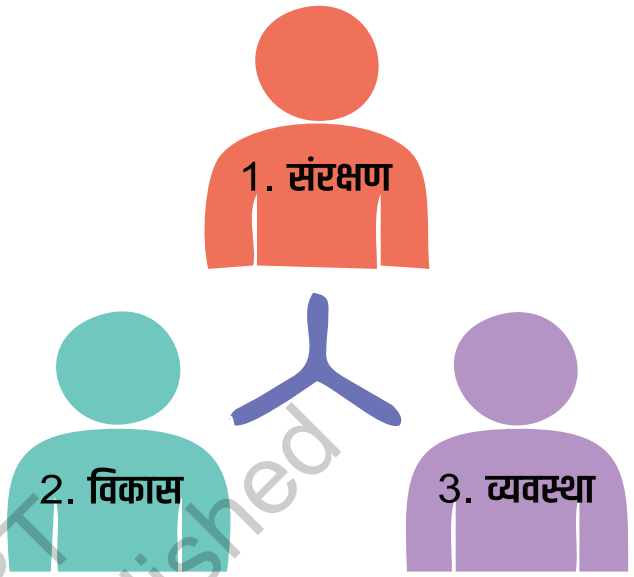

13. भारत में 18 जीव मंडल निचय हैं इनमें से 4 जीव मंडल निचय को यूनेस्को द्वारा विश्व नेटवर्क प्राप्त है।

A. नीलगिरी जीवमंडल निचय

B. नंदा देवी जीवमंडल निचय

C.सुंदरवन जीव मंडल निचय

D. मन्नार की खाड़ी जीव मंडल निचय

A. नीलगिरी जीव मंडल निचय

1. भारत का पहला जीव मंडल निचय जिसकी स्थापना 1986 में हुई थी।
2. कुल क्षेत्रफल 5520 वर्ग किलोमीटर है।

© JOERT not to be republished

3. वायनाड वन्य जीवन सुरक्षित क्षेत्र, नगरहोल, बांदीपुर और मदुमलाई, निलंबूर क्षेत्र, ऊपरी नीलगिरी पठार, साइलेंट वैली तथा सिरुवली पहाड़ियां प्रमुख क्षेत्र है।

4. इस जीव मंडल निचय में दो संकटापन्न प्रजातियां हैं - नीलगिरी ताहर तथा शेर जैसी पूछ वाले बंदर अधिक संख्या में मिलते हैं।

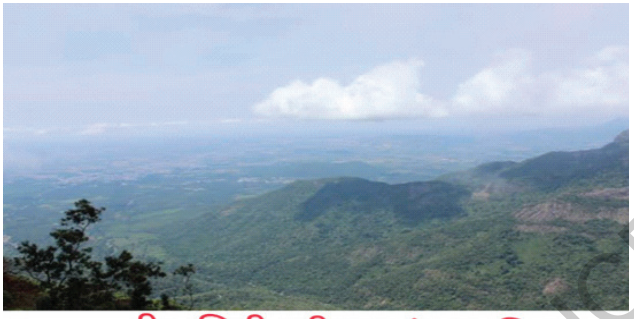

नीलगिरी जीवममंडल निचय

B. नंदादेवी जीवमंडल निचय

1. उत्तर भारत में उत्तराखंड राज्य में पश्चिमी हिमालय पर्वत पर स्थित है जिसकी स्थापना 1982 ई में की गई है।

2. इसका क्षेत्रफल 2237 वर्ग किलोमीटर है।

3. नंदा देवी जीवमंडल संरक्षित क्षेत्र पशुओं और पौधों की कई दुर्लभ प्रजातियां मिलती है

4. यहां नंदा देवी और फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान प्रमुख क्षेत्र शामिल है वैली ऑफ फ्लावर्स नेशनल पार्क अपने स्थानिक अल्पाइन फूलों और उत्कृष्ट प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है।

C. सुंदरवन जीव मंडल निचय

1. पश्चिम बंगाल राज्य के दक्षिणी भाग में गंगा नदी के सुंदरवन डेल्टा है।

2. विश्व का एकमात्र नदी डेल्टा है इसकी क्षेत्रफल 9630 वर्ग किलोमीटर है।

3. यहां मैंग्रोव और रॉयल बंगाल टाइगर प्रसिद्ध है।

4. मैंग्रोव वनों में हेरिशिएरा फोमीज नामक मूल्यवान इमारती लकड़ी भी पाया जाता है।

5. इस समय लगभग 200 रॉयल बंगाल टाइगर है। 170 से अधिक पक्षियों के प्रकार खारे पानी में मगरमच्छ पाए जाते हैं।

© JCERT not to be republished

© JCERT not to be republished

D. मन्नार की खाड़ी का जीव मंडल निचय

1. 105000 हेक्टेयर क्षेत्रफल पर फैले यह जीव मंडल नीचे भारत की दक्षिणी पूर्वी तट पर स्थित है समुंद्री जैव विविधता के दृष्टिकोण से दुनिया के सबसे संपन्न क्षेत्रों में से एक है।

2. यहाँ लगभग 3600 पादपों एवं जीवों की संकटापन्न प्रजातियाँ पाई जाती है जैसे - समुद्री गाय। इस जीवमंडल निचय में 21 द्वीप हैं और इन पर अनेक ज्वारनदमुख, पुलिन, तटीय पर्यावरण के जंगल, समुद्री घासें, प्रवाल द्वीप और मेंग्रोव पाए जाते हैं।

अभ्यास

1. निम्नलिखित चार विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

(i) चंदन वन किस तरह के वन के उदाहरण हैं?

(क) सदाबहार वन (ख) डेल्टाई वन

(ग) पर्णपाती वन (घ) काँटेदार वन

उत्तर –(ग) पर्णपाती वन

(ii) प्रोजेक्ट टाईगर निम्नलिखित में से किस उद्देश्य से शुरू किया गया है?

(क) बाघ मारने के लिए (ख) बाघ को शिकार से बचाने के लिए

(ग) बाघ को चिड़ियाघर में डालने के लिए (घ) बाघ पर फिल्म बनाने के लिए

उत्तर–(ख) बाघ को शिकार से बचाने के लिए

(iii) नंदा देवी जीव मंडल निचय निम्नलिखित में से किस प्रांत में स्थित है?

(क) बिहार (ख) उत्तराखण्ड

(ग) उत्तर प्रदेश (घ) ओडिशा

उत्तर –(ख) उत्तराखंड

(iv) निम्नलिखित में से कितने भारत के जीव मंडल निचय यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त हैं ?

(क) एक (ख) दस

(ग) दो (घ) चार

उत्तर –(घ) चार

(V) वन नीति के अनुसार वर्तमान में निम्नलिखित में से कितना प्रतिशत क्षेत्र, वनों के अधीन होना चाहिए ?

(क) 33 (ख) 55

(ग) 44 (घ) 22

उत्तर – (क) 33

© JCERT not to be republished

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दें ।

(i) प्राकृतिक वनस्पति क्या है ?

उत्तर - प्राकृतिक वनस्पति से तात्पर्य उन पौधों से है जो बिना किसी माननीय हस्तक्षेप से उगते हैं या विभिन्न पर्यावरणीय तथा पारितंत्र परिवेश में जो कुछ भी एक प्राकृतिक रूप से उगता है उसे प्राकृतिक वनस्पति कहा जाता है।

(ii) जलवायु की किन परिस्थितियों में उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन उगते है?

उत्तर - जहाँ वार्षिक वर्षा 200 सेंटीमीटर से अधिक होती है और औसत वार्षिक तापमान 22° सेल्सियस से

अधिक रहता है तथा उष्ण और आर्द्र प्रदेश में पाए जाते हैं।

(iii) सामाजिक वानिकी से आपका क्या अभिप्राय है?

उत्तर- सामाजिक वानिकी का अर्थ है पर्यावरणीय, सामाजिकव ग्रामीण विकास में मदद के उद्देश्य से वनों का प्रबंध और सुरक्षा तथा ऊसर भूमि पर वनरोपण।

(iv) जीवमंडल निचय को परिभाषित करें । .वन क्षेत्र और वन आवरण में क्या अंतर है?

उत्तर - वैसे आरक्षित क्षेत्र जो भौमिक या तटीय पारिस्थितिक तंत्र है जिन्हें यूनेस्को के मानव और जीवमंडल कार्यक्रम के अंतर्गत शामिल किया है।

वन क्षेत्र प्राकृतिक वनस्पति का झुरमुट है और वास्तविक रूप से ढका हुआ है, जब कि वन क्षेत्र राजस्व विभाग के अनुसार अधिसूचित क्षेत्र है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 125 शब्दों में दें (i) वन संरक्षण के लिए क्या कदम उठाए गए हैं ?

उत्तर - वनों का मानवीय विकास एवं जीव जगत के पोषण में महत्त्वपूर्ण योगदान है। इसलिए वनों के संरक्षण को महत्त्वपूर्ण माना जाता है, फलस्वरूप भारत सरकार ने पूरे देश के लिए वन संरक्षण नीति, 1952 में लागू की जिसे 1988 में संशोधित किया, अब नई वन्य-जीवन कार्ययोजना (2002-2016) स्वीकृत की गई है। अतःवन नीति द्वारा देश की सरकार ने वनों के संरक्षण हेतु

© JCERT not to be republished

निम्नलिखित कदम उठाए हैं

1. नई वन नीति के अनुसार सरकार सतत पोषणीय वन प्रबन्धन पर बल देती है जिससे एक ओर वन। संसाधनों का संरक्षण व विकास किया जाए और दूसरी ओर वनों से स्थानीय आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके।

2. देश में 33 प्रतिशत भाग पर वन लगाना, जो वर्तमान राष्ट्रीय स्तर से 6 प्रतिशत अधिक है।

3. पर्यावरण असन्तुलन समाप्त करने के लिए वन लगाने पर बल देना।

4. देश की प्राकृतिक धरोहर जैव विविधता तथा आनुवंशिक पुल का संरक्षण करना।

5. पेड़ लगाने को बढ़ावा देना तथा पेड़ों की कटाई रोकने के लिए जन-आन्दोलन चलाना, जिसमें महिलाएँ भी शामिल हों।

6. सामाजिक वानिकी कार्यक्रम चलाना, जिससे ऊसर भूमि का उपयोग वनों को उगाने के लिए किया जा सके।

(ii) वन और वन्य जीव संरक्षण में लोगों की भागेदारी कैसे महत्त्वपूर्ण है ?

परियोजना / क्रियाकलाप भारत के रेखा मानचित्र पर निम्नलिखित को पहचान कर चिह्नित करें ।

मैंग्रोव वन वाले क्षेत्र । (i) (ii) (iii) नंदा देवी, सुंदर वन, मन्नार की खाड़ी और नीलगिरी जीव मंडल निचय ।

भारतीय वन सर्वेक्षण मुख्यालय की स्थिति का पता लगाएँ और रेखांकित करें । भारत : भौतिक पर्यावर

© JCERT not to be republished